जननायक चन्द्रशेखर विश्वविद्यालय, बलिया
Jananayak Chandrashekhar University, Ballia

पत्रांक–जे0एन0सी0यू0 / सा0प्र0 / 8588 / 2025

दिनांकः 05 अगस्त, 2025

शीर्ष प्राथमिकता / समयबद्ध

सेवा में,

प्राचार्य / प्राचार्या / प्रबन्धक,
समस्त सम्बद्ध बी0एड0 पाठ्यक्रम संचालित महाविद्यालय,
जननायक चन्द्रशेखर विश्वविद्यालय, बलिया।

विषयः–**'नवभारत साक्षरता कार्यक्रम'** के क्रियान्वयन के सम्बन्ध में।

महोदय / महोदया,

कृपया उपर्युक्त विषयक शिक्षा निदेशक(उ0शि0), शिक्षा डिग्री विकास अनुभाग, प्रयागराज के पत्र संख्याः डिग्री विकास / 1329 / 2025–26, दिनांकः 04 अगस्त, 2025 के साथ संलग्न विशेष सचिव, उच्च शिक्षा अनुभाग–7, उ0प्र0 शासन के पत्र संख्याः 86 / सत्तर–7–2025, दिनांकः 07 जुलाई, 2025(छायाप्रतियाँ संलग्न) का सन्दर्भ ग्रहण करने का कष्ट करें, जिसके माध्यम से अवगत कराया गया है कि डिजीटल भारत की कल्पना तभी साकार रूप से सम्भव हो सकेगी, जब भारत के सभी नागरिक सुशिक्षित / सुसाक्षर होंगे। उक्त लक्ष्य की प्राप्ति हेतु भारत सरकार द्वारा निरक्षरता के पूर्ण उन्मूलन को सुनिश्चित किये जाने के लिये केन्द्र पुरोनिधानित योजना **'नवभारत साक्षरता कार्यक्रम'** का **वर्ष 2022 से वर्ष 2026–27 तक शुभारम्भ किया गया है।** उक्त योजना को प्रभावी एवं व्यावहारिक बनाने के लिये प्रदेश के समस्त जनपदों में **'सामाजिक चेतना केन्द्र'** स्थापित किये जाने हैं। साथ ही **उल्लास–'नवभारत साक्षरता' कार्यक्रम** को प्रभावी गति देने में **बी0एड0 विभाग** के प्राध्यापकों / विद्यार्थियों के प्रतिभाग कराये जाने के निर्देश प्रदान किये गये हैं।

तत्क्रम में माननीय कुलपति जी के आदेशानुसार मुझे यह कहने का निर्देश हुआ है कि कृपया अपने **महाविद्यालय के बी0एड0 विभाग के प्राध्यापकों को जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी, बलिया से सम्पर्क स्थापित कर मास्टर ट्रेनर से महाविद्यालय में अध्ययनरत विद्यार्थियों को विशेष प्रशिक्षण दिलवा कर सहयोग प्राप्त कर उक्त लोक कल्याणकारी योजना का क्रियान्वयन सुनिश्चित करें तथा कृत कार्यवाही की सूचना विश्वविद्यालय को उपलब्ध कराने का कष्ट करें, जिससे तद्नुसार शासन को सूचना प्रेषित की जा सके।**

संलग्नक–यथोक्त।

भवदीय,

(एस०एल० पाल)
कुलसचिव

प्रतिलिपिः– निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषितः–

01. माननीय कुलपति जी।
02. प्रभारी वेबसाईट को विश्वविद्यालय वेबसाईट पर अपलोड किये जाने हेतु।
03. सम्बन्धित पत्रावली।

कुलसचिव

पताः–शहीद स्मारक, निकट सुरहा ताल, जिला–बलिया,उ0प्र0 पिन कोडः–277001
Address:- Saheed Smarak, Near Surha Taal, Dist-Ballia, U.P. Pin Code-277001
Website:-www.jncu.ac.inE-mail :- incuballia@gmail.com

प्रेषक,

अत्यन्त महत्वपूर्ण/ई – मेल/तत्काल/समयबद्ध

शिक्षा निदेशक (उ0शि0),
शिक्षा डिग्री विकास अनुभाग,
प्रयागराज।

सेवा में,

1. समस्त क्षेत्रीय उच्च शिक्षा अधिकारी, उत्तर प्रदेश।
2. कुलसचिव, समस्त राज्य/निजी विश्वविद्यालय, उत्तर प्रदेश।

पत्रांक:- डिग्री विकास/ 1329 /2025-26 दिनांक 04 / 08/2025

विषय – नवभारत साक्षरता कार्यक्रम के क्रियान्वयन के सम्बन्ध में।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक शासन के पत्र संख्या 86/सत्तर – 7 – 2025 दिनांक 07 जुलाई, 2025 का संदर्भ ग्रहण करने का कष्ट करें जो नवभारत साक्षरता कार्यक्रम के क्रियान्वयन के सम्बन्ध में है।

आप सभी कुलसचिव, समस्त राज्य विश्वविद्यालयों एवं समस्त क्षेत्रीय उच्च शिक्षा अधिकारियों से अपेक्षा की जाती है कि इस पत्र के साथ संलग्न शासन के पत्र में दिये गये निर्देश कि डिजिटल भारत की कल्पना वास्तव में तभी साकार रूप से सम्भव होगी जब भारत के सभी नागरिक सुशिक्षित/सुसाक्षर होंगे। उक्त लक्ष्य की प्राप्ति हेतु भारत सरकार द्वारा निरक्षरता के पूर्ण उन्मूलन को सुनिश्चित करने के लिए केन्द्र पुरोनिधानित योजना नवभारत साक्षरता कार्यक्रम का वर्ष 2022 से वर्ष 2026 – 27 तक शुभारम्भ किया गया है, के क्रम में आवश्यक कार्यवाही करना सुनिश्चित करें।

उक्त की समस्त कृत कार्यवाही की आख्या निदेशालय की ई – मेल आई0डी0 dhedegreevikas@gmail.com पर उपलब्ध करायें जिससे शासन को समयान्तर्गत आख्या/सूचना प्रेषित की जा सके।

संलग्नक – यथोक्त।

भवदीय,

Digitally signed by SHASHI KAPOOR
Date: 04-08-2025 12:49:35

डॉ0 (शशि कपूर)
संयुक्त शिक्षा निदेशक (उ0शि0),
कृते शिक्षा निदेशक (उ0शि0),
उत्तर प्रदेश, प्रयागराज।

पृष्ठांकन संख्या – डिग्री विकास/ /उसी तिथि को।

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित –

1. विशेष सचिव, उच्च शिक्षा अनुभाग – 7, उत्तर प्रदेश शासन, लखनऊ।
2. अपर सचिव, उत्तर प्रदेश राज्य उच्च शिक्षा परिषद्, लखनऊ को इस आशय से प्रेषित कि उक्त से प्रदेश के समस्त निजी विश्वविद्यालयों को अपने स्तर से अवगत कराना सुनिश्चित करें।

डॉ0 (शशि कपूर)
संयुक्त शिक्षा निदेशक (उ0शि0),
कृते शिक्षा निदेशक (उ0शि0),
उत्तर प्रदेश, प्रयागराज।

E-Comp No. 1028469

महत्वपूर्ण/समयबद्ध
संख्या– 86/सत्तर–7–2025

प्रेषक,

निधि श्रीवास्तव,
विशेष सचिव,
उत्तर प्रदेश शासन।

सेवा में,

1–निदेशक,
उच्च शिक्षा, उ0प्र0, प्रयागराज।
2–कुलसचिव,
समस्त राज्य/निजी विश्वविद्यालय, उ0प्र0।
3–समस्त क्षेत्रीय उच्च शिक्षा अधिकारी, उ0प्र0।

उच्च शिक्षा अनुभाग–7 लखनऊः दिनांकः 07 जुलाई, 2025

विषयः– "नव भारत साक्षरता कार्यक्रम" के कियान्वयन के सम्बन्ध में।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक श्री दीपक कुमार, अपर मुख्य सचिव, बेसिक शिक्षा अनुभाग–2 के अर्द्ध शासकीय पत्र संख्या–05/अरसठ–2–2025–1818452, दिनांक 14.02.2025 की छायाप्रति संलग्न कर प्रेषित करते हुए अवगत कराना है कि डिजिटल भारत की कल्पना वास्तव में तभी साकार रूप से सम्भव होगी जब भारत के सभी नागरिक सुशिक्षित/सुसाक्षर होंगे। उक्त लक्ष्य की प्राप्ति हेतु भारत सरकार द्वारा निरक्षरता के पूर्ण उन्मूलन को सुनिश्चित करने के लिये केन्द्र पुरोनिधानित योजना **"नव भारत साक्षरता कार्यक्रम"** का वर्ष 2022 से वर्ष 2026–27 तक सुभारम्भ किया गया है। भारत सरकार के निर्देश के क्रम में उक्त योजना को अधिक प्रभावी व व्यवहारिक बनाने के लिये प्रदेश के समस्त जनपदों में "सामाजिक चेतना केन्द्र" स्थापित किया जाना है।

यह भी उल्लेख किया गया है कि प्रदेश के समस्त जनपदों में महाविद्यालय संचालित हैं, इन महाविद्यालयों में बी0एड0 विभाग में भी शिक्षण–प्रशिक्षण का कार्य किया जाता है। इन विभागों में बी0एड0 तथा एम0एड0 के छात्र प्रैक्टिकल का भी कार्य करते हैं। उल्लास–"नवभारत साक्षरता" कार्यक्रम को प्रभावी गति देने में इन विद्यार्थियों की महत्वपूर्ण भूमिका हो सकती है।

2– इस संबंध में उपरोक्त संदर्भित पत्र के साथ संलग्न "नवभारत साक्षरता कार्यक्रम" के कियान्वयन की रूपरेखा की छायाप्रति संलग्न कर प्रेषित करते हुए मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि कृपया समस्त जनपदों में स्थापित महाविद्यालयों के बी0एड0 विभाग के प्राध्यापक को संबंधित जिलों के जिला बेसिक शिक्षा अधिकारियों से सम्पर्क स्थापित कर मास्टर ट्रेनर्स से बी0एड0 के छात्रों को विशेष प्रशिक्षण दिलवा कर सहयोग प्राप्त कर उक्त लोक कल्याणकारी योजना का कियान्वयन कराने का कार्य करने हेतु संबंधित शैक्षणिक संस्थानों को अपने स्तर से निर्देशित करते हुए कृत कार्यवाही से शासन को शीघ्र अवगत कराने का कष्ट करें।

संलग्नक यथोक्त।

भवदीय,

(निधि श्रीवास्तव)
विशेष सचिव।

<u>महत्वपूर्ण</u>

दीपक कुमार
अपर मुख्य सचिव,

अ0शा0प0 सं0–05/अरसठ–2–2025–1818452
बेसिक शिक्षा अनुभाग–2
लखनऊः दिनांक 15 फरवरी, 2025

प्रिय महोदय,

आप अवगत हैं कि भविष्य के डिजिटल भारत की कल्पना वास्तव में तभी साकार रूप से संभव होगी, जब भारत के सभी नागरिक सुशिक्षित/सुसाक्षर होंगे। उक्त लक्ष्य की प्राप्ति हेतु भारत सरकार द्वारा निरक्षरता के पूर्ण उन्मूलन को सुनिश्चित करने के लिए केन्द्रपुरोनिधानित योजना "नव भारत साक्षरता कार्यक्रम" का वर्ष 2022 से वर्ष 2026–27 तक का शुभारम्भ किया गया है। भारत सरकार के निर्देशों के क्रम में उक्त योजना को अधिक प्रभावी एवं व्यावहारिक बनाये के लिए प्रदेश के समस्त जनपदों में 'सामाजिक चेतना केन्द्र' स्थापित किया जाना है।

उ0प्र0 राज्य इस संकल्प को पूर्ण करने के लिए सैद्धान्तिक एवं व्यावहारिक रूप से प्रतिबद्ध है तथा साक्षरता कार्यक्रम के क्रियान्वयन हेतु भारत सरकार की गाइडलाइन्स एवं प्रदेश की भिन्न–भिन्न क्षेत्रों की भौगोलिक एवं परिवेशीय पृष्ठभूमि के दृष्टिगत विषयवस्तु एवं भिन्न भिन्न कौशलों की रणनीति का उपयोग किया जा रहा है।

2– प्रदेश के समस्त जनपदों में महाविद्यालय संचालित हैं। इन महाविद्यालयों में बी.एड. विभाग में भी शिक्षण प्रशिक्षण का कार्य किया जाता है। इन विभागों में बी.एड. तथा एम.एड. के छात्र प्रैक्टिकल का कार्य भी करते हैं। उल्लास–'नव भारत साक्षरता कार्यक्रम' को प्रभावी गति देने में इन विद्यार्थियों की महत्वपूर्ण भूमिका हो सकती है।

3– अतः 'नव भारत साक्षरता कार्यक्रम' के क्रियान्वयन की रूपरेखा संलग्न कर प्रेषित करते हुए अनुरोध है कि कृपया समस्त जनपदों में स्थापित महाविद्यालयों के बी.एड. विभाग के प्राध्यापक को संबंधित जिलों के जिला बेसिक शिक्षा अधिकारियों से सम्पर्क स्थापित कर मास्टर ट्रेनर्स से बी.एड. के छात्रों को विशेष प्रशिक्षण दिलवा कर सहयोग प्राप्त कर उपरोक्त लोक कल्याणकारी योजना का क्रियान्वयन कराने का लोक कल्याणकारी कार्य करने हेतु निर्देशित करने का कष्ट करें।

<u>संलग्नकःयथोपरि।</u>

Signed by
(दीपक कुमार)
Deepak Kumar
Date: 13-02-2025 14:36:14

श्री महेन्द्र प्रसाद अग्रवाल,
प्रमुख सचिव,
उच्च शिक्षा विभाग,
उ0प्र0शासन।

'नव भारत साक्षरता कार्यक्रम' के क्रियान्वयन हेतु रूपरेखा ।

लक्ष्य– वित्तीय वर्ष 2024–25 में प्रदेश के समस्त जनपदों में 15+ वय वर्ग के कुल 25.00 लाख असाक्षरों को ऑनलाइन/ऑफलाइन मोड के माध्यम से साक्षर किया जाना है, जिसमें 75 प्रतिशत महिलाएं एवं 25 प्रतिशत पुरूष हैं। कार्यक्रम में विशेषकर महिलाओं, अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, अल्पसंख्यकों, दिव्यांगजन, कैदियों एवं श्रमिकों आदि को साक्षर किया जाना है, जिससे उनके बच्चों की शिक्षा में अपेक्षित सकारात्मक परिवर्तन हो सके।

क्रियान्वयन की रणनीति–

- 'नव भारत साक्षरता कार्यक्रम' की समस्त गतिविधियां ऑनलाईन/ऑफलाइन मोड में है।
- क्रियान्वयन के लिए विद्यालय इकाई है।
- असाक्षरों को साक्षर करने हेतु स्वयंसेवक (वालेण्टियर) के रूप में कक्षा–पांच और उससे ऊपर के स्कूली विद्यार्थियों को अपने परिवार और पड़ोसियों को साक्षर बनाने हेतु प्रेरित किया जाना है।
- उक्त के अतिरिक्त एन.वाई.के.एस., एन.एस.एस., एन.सी.सी. आदि के स्वयंसेवकों, सी.एस.ओ, समुदाय, गृहणियों, आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं, शिक्षकों, पी.आर.आई. और अन्य संस्थानों के सदस्यों को स्वयंसेवकों के रूप में प्रोत्साहित कर जनपदों की समस्त शैक्षिक इकाईयों (ब्लॉक संसाधन केन्द्र/क्लस्टर संसाधन केन्द्र/विद्यालयों) उपयोग कर असाक्षरों को साक्षर किया जायेगा।
- वालेण्टियर को किसी प्रकार का मानदेय/भत्ता नहीं दिया जायेगा।

सर्वेक्षण– योजना के तहत असाक्षरों और स्वैच्छिक शिक्षकों (वीटी) का सर्वेक्षण भारत सरकार द्वारा तैयार किये गये उल्लास सर्वे ऐप के माध्यम से प्रदेश के परिषदीय विद्यालयों के शिक्षकों द्वारा सर्वेयर के रूप में किया जायेगा।

महत्वपूर्ण जीवन कौशल (Criticals Life Skills)- 15+ वय वर्ग के असाक्षरों को (पढ़ना, लिखना एवं अंको का ज्ञान के साथ–साथ डिजिटल, वित्तीय, कानूनी, आपदा प्रबंधन, कौशल, बच्चों की देखभाल और पोषण, वाणिज्यिक कौशल, स्वास्थ्य और स्वच्छता, आहार संबंधी आदतों के बारे में जागरूकता पर परिवार कल्याण के मुद्दे, व्यायाम, योग, नशा निषेध, प्राथमिक चिकित्सा देखभाल और सड़क दुर्घटना आदि का बचाव और मतदाता पंजीकरण, आधार आदि जैसे विभिन्न फॉर्म भरने के बारे में जागरूकता लाने हेतु क्रिटिकल लाइफ स्किल्स के तहत साक्षर किया जायेगा।

असाक्षरों को साक्षर बनाने की प्रक्रिया:–

- ➢ परिषदीय विद्यालयों के सर्वेयर शिक्षक द्वारा उल्लास सर्वे ऐप पर 15+ वय वर्ग के असाक्षरों एवं वालेण्टियरों का चिन्हांकन करना।
- ➢ चिन्हित वालेण्टियरों को खण्ड शिक्षा अधिकारी, संबंधित विकासखण्ड के मास्टर ट्रेनर्स द्वारा प्रशिक्षण दिलाना।
- ➢ प्रशिक्षित वालेण्टियर्स द्वारा उल्लास सर्वे ऐप के माध्यम से चिन्हित असाक्षरों को उल्लास पोर्टल/दीक्षा पोर्टल तथा उल्लास प्रवेशिका के माध्यम से ऑनलाइन/ऑफलाइन कक्षाओं का संचालन कराना।

मॉड्यूल अवधि– असाक्षरों को साक्षर करने हेतु मॉड्यूल की अवधि 200 घंटे निर्धारित की गयी है।

असाक्षरों का मूल्यांकन–

- असाक्षरों की कक्षाओं का संचालन करने के उपरान्त उन्हें पढ़ना लिखना एवं अंकज्ञान होने पर भारत सरकार द्वारा निर्धारित तिथि को साक्षरता परीक्षा का आयोजन कराया जायेगा।
- बुनियादी साक्षरता और संख्यात्मक ज्ञान के साथ–साथ महत्वपूर्ण जीवन कौशल सीखने के लिए निर्धारित अवधि तक कक्षा संचालन के पश्चात् स्थानीय स्कूलों में वर्ष में 02 बार साक्षरता परीक्षा आयोजित की जायेगी, जिसका मूल्यांकन/प्रमाणीकरण राष्ट्रीय मुक्त विद्यालयी संस्थान (एन0आई0ओ0एस0) द्वारा किया जायेगा।

****